नं. 1

संजीव®

बुक्स

राजनीति विज्ञान-XII

(1) समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1) एवं

(2) स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

(कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार)

- माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2026 के प्रश्न-पत्र का समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- शिक्षा विभाग, राजस्थान द्वारा जारी प्रश्न बैंक के प्रश्नों का हल सहित समावेश
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित
- प्रथम श्रेणी प्राप्त करने के लिए पूर्ण सामग्री

2027

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 360/-

- प्रकाशक :

संजीव प्रकाशन

धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,

जयपुर-3

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
website : www.sanjivprakashan.com

- © प्रकाशकाधीन

- **मूल्य : ₹ 360.00**

- लेजर कम्पोजिंग :

प्रदीप कम्प्यूटर, जयपुर

संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

- मुद्रक :

मनोहर आर्ट प्रिन्टर्स, जयपुर

★★★★★★★

❖ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—

email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❖ इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❖ सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

विषय-सूची

समकालीन विश्व राजनीति (भाग-1)

1.	दो ध्रुवीयता का अन्त	1-26
2.	सत्ता के समकालीन केन्द्र	27-53
3.	समकालीन दक्षिण एशिया	54-81
4.	अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	82-109
5.	समकालीन विश्व में सुरक्षा	110-136
6.	पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	137-165
7.	वैश्वीकरण	166-190

स्वतन्त्र भारत में राजनीति (भाग-2)

1.	राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ	191-215
2.	एक दल के प्रभुत्व का दौर	216-238
3.	नियोजित विकास की राजनीति	239-253
4.	भारत के विदेश सम्बन्ध	254-279
5.	कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना	280-304
6.	लोकतान्त्रिक व्यवस्था का संकट	305-327
7.	क्षेत्रीय आकांक्षाएँ	328-355
8.	भारतीय राजनीति : नए बदलाव	356-381
मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न		**382-400**

❑❑❑

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2026

राजनीति विज्ञान

(Political Science)

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न-पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तरण में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।
6. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
7. प्रश्न क्रमांक 14 से 20 में आन्तरिक विकल्प हैं।
8. प्रश्न क्रमांक 20 मानचित्र कार्य से संबंधित है। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

खण्ड-अ (Section-A)

बहुविकल्पीय प्रश्न (i से xviii) (Multiple Choice Questions) (i to xviii) :

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए :

(i) बोरिस येल्तसिन के नेतृत्व में सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्यों ने सोवियत संघ को कब भंग कर दिया? [1]
When did the three major Republics of the Soviet Union, led by Boris Yeltsin, disband the Soviet Union?
(अ) 1989 (ब) 1991 (स) 1993 (द) 1995

(ii) निम्न में से कौन-सा बाल्टिक गणराज्यों का समूह है? [1]
Which of the following is a group of Baltic Republics?
(अ) ऐस्टोनिया, यूक्रेन, जॉर्जिया (ब) ऐस्टोनिया, लातविया, जॉर्जिया
(स) ऐस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया (द) ऐस्टोनिया, यूक्रेन, लिथुआनिया

(iii) अमेरिका ने 'सामूहिक सुरक्षा' हेतु एक नई संरचना की स्थापना की, जो है— [1]
America created a new 'collective security' structure is—
(अ) वारसॉ पैक्ट (ब) आसियान (स) नाटो (द) यूरोपीय संघ

(iv) 'दक्षेस' का पहला सम्मेलन कहाँ हुआ? [1]
Where was the first 'SAARC' Summit held?
(अ) नई दिल्ली (ब) माले (स) ढाका (द) इस्लामाबाद

(v) वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र संघ का कौन-सा अंग स्थगित है? [1]
Which organ of the United Nations is currently suspended?
(अ) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय (ब) आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्
(स) सचिवालय (द) न्यास परिषद्

(vi) जो युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने पर मजबूर हो जाते हैं, को कहते हैं— [1]
Those who are forced to leave their country due to war, natural disaster or political persecution are called—
(अ) आप्रवासी (ब) शरणार्थी (स) घुसपैठिया (द) विस्थापित जन

(vii) 'मेक्डोनॉल्डीकरण' शब्द किस देश की ओर इंगित करता है? [1]
The word 'MacDonaldisation' refers to which Country?
(अ) अमेरिका (ब) रूस (स) भारत (द) पाकिस्तान

(viii) वैश्विक तापवृद्धि में निम्न में से किस गैस की भूमिका नहीं है? [1]
Which of the following gases does not play role in global warming?

(अ) कार्बन डाईऑक्साइड (ब) ऑक्सीजन
(स) मीथेन (द) हाइड्रो-फ्लोरो कार्बन

(ix) 'राज्य पुनर्गठन आयोग' का गठन कब किया गया? [1]
When was the 'States Reorganisation Commission' formed?
(अ) 1953 (ब) 1956 (स) 1960 (द) 1962

(x) 'भारतीय जन संघ' का गठन हुआ— [1]
'Bhartiya Jana Sangha' was formed in—
(अ) 1948 (ब) 1949 (स) 1950 (द) 1951

(xi) 1944 में उद्योगपतियों के समूह ने नियोजित अर्थव्यवस्था चलाने का एक संयुक्त प्रस्ताव तैयार किया था, वह है— [1]
In 1944, a group of industrialists prepared a joint proposal for running a planned economy, that is—
(अ) दिल्ली प्लान (ब) कलकत्ता प्लान (स) मद्रास प्लान (द) बॉम्बे प्लान

(xii) विकास के 'उदारवादी पूँजीवादी मॉडल' का समर्थक देश है— [1]
The country supporting the 'liberal capitalist model' of development is—
(अ) रूस (ब) चीन (स) अमेरिका (द) उत्तरी कोरिया

(xiii) 1956 में ब्रिटेन ने 'स्वेज नहर' को लेकर किस देश पर आक्रमण किया? [1]
Which country did Britain attack in 1956 over the 'Suez canal'?
(अ) भारत (ब) यूगोस्लाविया (स) हंगरी (द) मिस्र

(xiv) 'गैर-काँग्रेसवाद' के रणनीतिकार थे— [1]
The strategist of 'Non-congressism' is—
(अ) के. कामराज (ब) सी. नटराजन अन्नादुरई
(स) राम मनोहर लोहिया (द) एस. निजलिंगप्पा

(xv) 12 जून, 1975 को किस न्यायालय ने इन्दिरा गाँधी के निर्वाचन को असंवैधानिक घोषित किया? [1]
Which court declared the election of Indira Gandhi unconstitutional on 12 June, 1975?
(अ) बॉम्बे उच्च न्यायालय (ब) दिल्ली उच्च न्यायालय
(स) इलाहाबाद उच्च न्यायालय (द) गुवाहाटी उच्च न्यायालय

(xvi) 1965 से पूर्व भारत में किस राज्य के मुखिया का पदनाम प्रधानमंत्री था? [1]
Before 1965, the title of the head of which Indian State was Prime Minister?
(अ) जम्मू-कश्मीर (ब) मेघालय (स) नागालैण्ड (द) मिजोरम

(xvii) 1975 में सिक्किम भारत का कौन-सा राज्य बना? [1]
Which State did Sikkim become in India in 1975?
(अ) 18वाँ (ब) 20वाँ (स) 22वाँ (द) 24वाँ

(xviii) बहुजन समाज पार्टी ने 1989 व 1991 में किस राज्य में सरकार बनाई? [1]
In which State did the Bahujan Samaj Party form the Government in 1989 and 1991?
(अ) मध्य प्रदेश (ब) पंजाब (स) हिमाचल प्रदेश (द) उत्तर प्रदेश

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (i से vi) :

(i) 1949 में माओ के नेतृत्व में चीन में .... क्रान्ति हुई। [1]
(ii) रासायनिक हथियार सम्मेलन में हस्ताक्षर .... में हुई। [1]
(iii) 'वर्ल्ड सोशल फोरम' की पहली बैठक सन् .... में ब्राजील में आयोजित हुई। [1]
(iv) स्वतन्त्रता के बाद अधिकांश रजवाड़ों ने भारत के साथ .... का दस्तावेज हस्ताक्षर किये। [1]
(v) गुटनिरपेक्ष आन्दोलन का पहला सम्मेलन सन् .... में हुआ। [1]
(vi) मण्डल आयोग का अध्यक्ष .... को बनाया गया। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न : (i से xii)

(निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए)

(i) आसियान शैली क्या है? संक्षेप में लिखिये। [1]
(ii) दक्षिण एशिया 'पद' में सम्मिलित किन्हीं चार देशों के नाम लिखिये। [1]
(iii) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना कब हुई? [1]

(iv) मानवाधिकारों को सामान्यत: कितनी कोटियों में विभाजित किया गया है? [1]

(v) 'पृथ्वी सम्मेलन' में किन्होंने भाग लिया? [1]

(vi) वैश्वीकरण का अर्थ बताइये। [1]

(vii) वैश्वीकरण के लिये कौन-से कारक उत्तरदायी हैं? कोई दो कारक लिखिये। [1]

(viii) सन् 2000 में भारत में कौन-से तीन नये राज्य बने? लिखिये। [1]

(ix) 1957 में केरल में किस दल की अगुवाई में एक गठबन्धन सरकार बनी? [1]

(x) 'शिमला समझौता' कब व किनके मध्य हुआ? [1]

(xi) कर्पूरी ठाकुर किस राज्य के दो बार मुख्यमंत्री रहे थे? [1]

(xii) इन्दिरा गाँधी को प्रधानमंत्री बनाने में 'सिंडिकेट' की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस 'सिंडिकेट' के किन्हीं दो नेताओं के नाम बताइये। [1]

खण्ड-ब (Section-B)

लघूत्तरात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

4. सोवियत संघ के विघटन के कोई दो परिणामों को स्पष्ट कीजिये। [1+1=2]
Explain any two consequences of the disintegration of the Soviet Union.

5. भारत और सोवियत संघ के मध्य सांस्कृतिक सम्बन्धों को संक्षेप में लिखिये। [2]
Write briefly about the cultural relations between India and the Soviet Union.

6. आपके मतानुसार भारत एवं बांग्लादेश के मध्य विवाद के कौन-से मुद्दे हैं? संक्षेप में लिखिये। [2]
According to your view, what are the issues of dispute between India and Bangladesh? Write in brief.

7. आपके अनुसार भारत व नेपाल में मधुर सम्बन्ध हैं? अपने मत को संक्षेप में स्पष्ट कीजिये। [2]
According to you, India and Nepal have cordial relations. Briefly explain your opinion.

8. आपका मानना है कि सुरक्षा की अपारम्परिक धारणा में मानवता की सुरक्षा में आतंकवाद प्रमुख खतरा है। उदाहरण द्वारा संक्षेप में समझाइये। [2]
Do you believe that terrorism poses a major threat to human security under the non-traditional concept of security? Explain briefly with examples.

9. 'वैश्वीकरण' के कारण वस्तुओं व पूँजी की तुलना में लोगों का प्रवाह कम हुआ। इसके कोई दो कारण बताइये। [1+1=2]
Due to 'Globalization', the flow of people is less in comparison to goods and capital. Give any two reasons for this.

10. हैदराबाद के भारत में विलय में कौन-सी समस्याएँ आयीं? संक्षेप में विवेचन कीजिये। [2]
What problems occured in the merger of Hyderabad with India? Explain briefly.

11. मतपत्र अथवा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान करवाने में आप किसे श्रेष्ठ मानते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में दो कारण बताइये। [1+1=2]
Which do you consider better voting through ballot paper or electronic voting machine? Give two reasons in support of your answer.

12. भारत व चीन के मध्य 1962 में हुए युद्ध के कोई दो कारण बताइये। [1+1=2]
Give any two reasons for the war between India and China in 1962.

13. 'दल-बदल' से आप क्या समझते हैं? संक्षेप में लिखिये। [2]
What do you understand by 'Defection'? Write briefly.

खण्ड-स (Section-C)

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न– (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

14. आपके मतानुसार यूरोपीय संघ ने एक विशाल राष्ट्र-राज्य की तरह काम किया है। अपने मत के पक्ष में तर्क दीजिये। [3]
In your opinion, the European Union has acted more as a Nation-State. Give arguments in support of your opinion.

अथवा/OR

आपके मतानुसार 'विजन दस्तावेज 2020' से आसियान की अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में बहिर्मुखी भूमिका हो गई। अपने मत की विवेचना कीजिये। [3]

In your opinion, 'the Vision Document 2020' has given ASEAN an outward looking role in the International community. Explain your opinion.

15. विश्व के विभिन्न भागों में खनिज उद्योगों का विरोध करने के कोई तीन कारण बताइये। [3]
Give any three reasons for opposing to mineral industries in different parts of the world.

अथवा/OR

भारत में 'पावन वन प्रान्तर' की अवधारणा का विश्लेषण कीजिये। [3]
Analyse the concept of 'sacred groves' in India.

16. नियोजन में 'केरल मॉडल' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिये। [3]
Explain the meaning of 'Kerala Model' in planning.

अथवा/OR

योजना आयोग को कार्य करते समय किन बातों का ध्यान रखना था? स्पष्ट कीजिये। [3]
What things the planning commission have to keep in mind while working? Explain.

17. गोवा की मुक्ति एवं भारत में राज्य बनने की घटनाक्रम की विवेचना कीजिये। [3]
Discuss the events leading to Goa's liberation and its becoming a State within India.

अथवा/OR

भारत में क्षेत्रीय आकांक्षा विविध रूपों में उभरती रही है, इससे भारतीय राजनीति को क्या सबक मिलते हैं? कोई तीन की विवेचना कीजिये। [3]
Regional aspirations in India have emerged in various forms. What lessons do these offer for Indian Politics? Discuss any three.

खण्ड-द (Section-D)

निबन्धात्मक प्रश्न–(उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द) :

18. 1974 में हुए निम्न आन्दोलनों की विवेचना कीजिये। [2+2=4]
(अ) गुजरात आन्दोलन (ब) बिहार आन्दोलन
Discuss the following Movement that took place in 1974.
(a) Gujarat Movement (b) Bihar Movement

अथवा/OR

आपातकाल के बाद की राजनीति के निम्न बिन्दुओं की विवेचना कीजिये।
(अ) लोकसभा चुनाव 1977 (ब) जनता पार्टी की सरकार का गठन
Discuss the following points of post-emergency politics.
(a) Lok Sabha Elections 1977 (b) Formation of Janata Party Government

19. '1989 के बाद महत्वपूर्ण मसलों पर अधिकतर दलों के बीच व्यापक सहमति है।' इस कथन के आधार पर व्यापक सहमति के चार बिन्दु स्पष्ट कीजिये। [4]
'There is a broad consensus among most parties on key issues since 1989.' Based on this statement, explain four points of broad consensus.

अथवा/OR

नब्बे के दशक से गठबन्धन की राजनीति की विवेचना कीजिये।
Discuss the coalition politics since 90s.

20. विश्व के राजनैतिक मानचित्र में निम्न देशों को अंकित कीजिए— [1+1+1+1=4]
Mark the following countries on the political map of world.
(1) श्रीलंका (Sri Lanka) (2) दक्षिण कोरिया (South Korea)
(3) स्पेन (Spain) (4) बांग्लादेश (Bangladesh)

अथवा/OR

विश्व के राजनैतिक मानचित्र में निम्न देशों को अंकित कीजिए—
Mark the following countries on the political map of world.
(1) सऊदी अरब (Saudi Arabia) (2) रूस (Russia)
(3) जापान (Japan) (4) चीन (China)

राजनीति विज्ञान–XII

समकालीन विश्व राजनीति (भाग 1)

1. दो ध्रुवीयता का अन्त

पाठ-सार

सोवियत प्रणाली–(1) समाजवादी सोवियत गणराज्य (यू.एस.एस.आर.) रूस में हुई 1917 की समाजवादी क्रान्ति के बाद अस्तित्व में आया।

(2) सोवियत राजनीतिक प्रणाली की धुरी कम्युनिस्ट पार्टी थी।

(3) सोवियत अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियन्त्रण में थी।

(4) दूसरे विश्व युद्ध के बाद पूर्वी यूरोप के देश सोवियत संघ के अंकुश में आ गए। इन सभी देशों की राजनीतिक-सामाजिक व्यवस्था को सोवियत संघ की समाजवादी प्रणाली की तर्ज पर ढाला गया। इन्हें ही समाजवादी खेमे के देश या दूसरी दुनिया कहा गया। इनका नेता समाजवादी सोवियत गणराज्य था। इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा।

(5) अमरीका को छोड़कर शेष विश्व की तुलना में सोवियत संघ की अर्थव्यवस्था कहीं ज्यादा विकसित थी।

(6) लेकिन, सोवियत प्रणाली पर नौकरशाही का शिकंजा कसता चला गया। यह प्रणाली सत्तावादी होती गयी और नागरिकों का जीवन कठिन होता चला गया। सोवियत संघ में कम्युनिस्ट पार्टी का शासन था जिसका सभी संस्थाओं पर गहरा अंकुश था तथा यह दल जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं था। सोवियत संघ के 15 गणराज्यों में रूसी गणराज्य का हर मामले में वर्चस्व था। अन्य क्षेत्रों की जनता अक्सर अपने आपको उपेक्षित और दमित महसूस करती थी।

(7) हथियारों की होड़ में सोवियत संघ ने समय-समय पर अमरीका को बराबर की टक्कर दी, लेकिन उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी। वह प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढाँचे के मामले में पश्चिमी देशों की तुलना में पीछे रह गया। यह अपने नागरिकों की राजनीतिक और आर्थिक आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सका। 1979 में अफगानिस्तान में हस्तक्षेप से उसकी अर्थव्यवस्था और कमजोर हुई। यहाँ उपभोक्ता वस्तु की कमी हो गयी तथा 1970 के दशक के अन्तिम वर्षों में यह व्यवस्था लड़खड़ाने लगी और अंतत: ठहर सी गई।

गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन–1980 के दशक के मध्य में गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बने। उसने पश्चिम के देशों के साथ सम्बन्धों को सामान्य बनाने, सोवियत संघ को लोकतान्त्रिक रूप देने और वहाँ सुधार करने का फैसला किया। इस फैसले की अकल्पनीय परिणतियाँ हुईं—

(1) पूर्वी यूरोप की साम्यवादी सरकारें जनता के दबाव में एक के बाद एक गिर गईं। वहाँ लोकतान्त्रिक व्यवस्था की स्थापना हुई।

(2) गोर्बाचेव ने देश के अन्दर आर्थिक-राजनीतिक सुधारों और लोकतन्त्रीकरण की नीति चलायी। इन सुधार नीतियों का साम्यवादी दल के नेताओं द्वारा विरोध किया गया। 1991 में एक तख्तापलट भी हुआ। येल्तसिन ने इस तख्तापलट के विरोध में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी और वे नायक की तरह उभरे। परिणामत: 1991 के दिसम्बर में येल्तसिन के नेतृत्व में सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्यों—रूस, यूक्रेन और बेलारूस—ने सोवियत संघ की समाप्ति की घोषणा की। इन्होंने पूँजीवाद और लोकतन्त्र को अपना आधार बनाया। इन्होंने स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रकुल का गठन किया। साम्यवादी सोवियत गणराज्य के बाकी गणराज्यों, खासकर मध्य एशियायी गणराज्यों के लिए यह बहुत आश्चर्यचकित करने वाला था। ये गणराज्य स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल से अभी बाहर थे। इन्हें राष्ट्रकुल का संस्थापक सदस्य बनाया गया।

(3) रूस को सुरक्षा परिषद् में सोवियत संघ की सीट मिली। सोवियत संघ के अन्तर्राष्ट्रीय करार और सन्धियों को निभाने की जिम्मेदारी रूस को सौंपी गयी। सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस को परमाणु सम्पन्न देश का दर्जा मिला।

सोवियत संघ के विघटन का घटना-चक्र–

मार्च, 1985	–	मिखाइल गोर्बाचेव सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव चुने गए। बोरिस येल्तसिन को रूस की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रमुख बनाया। सोवियत संघ में सुधारों की श्रृंखला शुरू हुई।
1988	–	लिथुआनिया में आजादी के लिए आंदोलन शुरू। एस्टोनिया और लातविया में भी फैला।
अक्टूबर, 1989	–	सोवियत संघ ने घोषणा की कि 'वारसा समझौते' के सदस्य अपना भविष्य तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। नवम्बर में बर्लिन की दीवार गिरी।
फरवरी, 1990	–	गोर्बाचेव ने सोवियत संसद ड्यूमा के चुनाव के लिए बहुदलीय राजनीति की शुरुआत की। सोवियत सत्ता पर कम्युनिस्ट पार्टी का 72 वर्ष पुराना एकाधिकार समाप्त।
जून, 1990	–	रूसी संसद ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता घोषित की।
मार्च, 1990	–	लिथुआनिया स्वतंत्रता की घोषणा करने वाला पहला सोवियत गणराज्य बना।
जून, 1991	–	येल्तसिन का कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा। रूस के राष्ट्रपति बने।
अगस्त, 1991	–	कम्युनिस्ट पार्टी के गरमपंथियों ने गोर्बाचेव के खिलाफ एक असफल तख्तापलट किया।
सितम्बर, 1991	–	एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया तीनों बाल्टिक गणराज्य संयुक्त राष्ट्रसंघ के सदस्य बने। (मार्च 2004 में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन में शामिल)
दिसम्बर, 1991	–	रूस, बेलारूस और यूक्रेन ने 1922 की सोवियत संघ के निर्माण से संबद्ध संधि को समाप्त करके स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रकुल बनाया। आर्मेनिया, अजरबैजान, माल्दोवा, कजाकिस्तान, किर्गिजिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान भी राष्ट्रकुल का हिस्सा बने। 1993 में जार्जिया राष्ट्रकुल का सदस्य बना। संयुक्त राष्ट्रसंघ में सोवियत संघ की सीट रूस को मिली।
25 दिसंबर, 1991	–	गोर्बाचेव ने सोवियत संघ के राष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया तथा सोवियत संघ का अंत हुआ।

सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ?

(1) सोवियत संघ की राजनीतिक-आर्थिक संस्थाएं अन्दरूनी कमजोरी के कारण लोगों की आकांक्षाएँ पूरा नहीं कर सकीं। यही सोवियत संघ के पतन का प्रमुख कारण रहा।

(2) परमाणु हथियार, सैन्य साजो-सामान तथा पूर्वी यूरोप के पिछलग्गू देशों के विकास पर हुए खर्चों से सोवियत संघ पर गहरा आर्थिक दबाव बना, सोवियत व्यवस्था इसका सामना नहीं कर सकी।

(3) पश्चिमी देशों की तरक्की के बारे में सोवियत संघ की जनता को जब यह जानकारी मिली कि सोवियत संघ पश्चिमी देशों से काफी पिछड़ चुका है तो इससे जनता को राजनीतिक-मनोवैज्ञानिक रूप से धक्का लगा।

(4) गतिरुद्ध प्रशासन, भारी भ्रष्टाचार, पार्टी का जनता के प्रति जवाबदेह न होना, शासन में ज्यादा खुलापन लाने के प्रति अनिच्छा तथा सत्ता का केन्द्रीकृत होना, इन सारी बातों के कारण जनता शासन से अलग-थलग पड़ चुकी थी। सरकार का जनाधार खिसकता चला गया।

(5) गोर्बाचेव ने जब सुधारों को लागू किया और व्यवस्था में ढील दी तो आकांक्षाओं-अपेक्षाओं का जनता का जो ज्वार उमड़ा, शासन उसका सामना नहीं कर सका। जहाँ आम जनता और तीव्र सुधार चाहती थी, वहाँ सत्ताधारी वर्ग इस बात से असन्तुष्ट था कि गोर्बाचेव सुधारों में बहुत जल्दबाजी दिखा रहे हैं। फलत: गोर्बाचेव का समर्थन हर तरफ से जाता रहा।

(6) रूस, बाल्टिक गणराज्यों, यूक्रेन तथा जार्जिया में राष्ट्रवादी भावनाओं और सम्प्रभुता की इच्छा का उभार सोवियत संघ के विघटन का अंतिम और सर्वाधिक तात्कालिक कारण सिद्ध हुआ।

विघटन की परिणतियाँ–सोवियत संघ के विघटन से प्रमुख परिणाम ये निकले—(1) शीत युद्ध के दौर के संघर्ष की समाप्ति हुई और इसके परिणामस्वरूप हथियारों की होड़ भी समाप्त हो गई। (2) अमेरिका विश्व में अकेली

महाशक्ति बन बैठा। इस प्रकार एकध्रुवीय विश्व का उदय हुआ। (3) अब पूँजीवादी अर्थव्यवस्था अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभुत्वशाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरी। (4) सोवियत संघ से अलग होकर अनेक नये देशों का उदय हुआ।

साम्यवादी शासन के बाद 'शॉक थेरेपी'–साम्यवाद के पतन के बाद पूर्व सोवियत संघ के गणराज्य एक सत्तावादी, समाजवादी व्यवस्था से लोकतान्त्रिक पूँजीवादी व्यवस्था तक के कष्टप्रद संक्रमण से होकर गुजरे। इस संक्रमण के लिए 'शॉक थेरेपी' मॉडल अपनाया गया। यथा—

(1) निजी स्वामित्व को मान्यता–शॉक थेरेपी में राज्य की सम्पदा का निजीकरण और पूँजीवादी ढाँचे को तुरन्त अपनाने पर बल दिया गया।

(2) मुक्त व्यापार–इसमें मुक्त व्यापार को पूर्ण रूप से अपनाना जरूरी माना गया।

(3) पूँजीवादी व्यवस्था को अपनाना–पूँजीवादी व्यवस्था को अपनाने के लिए वित्तीय खुलापन, मुद्राओं की आपसी परिवर्तनीयता और मुक्त व्यापार की नीति पर बल दिया गया।

(4) पश्चिमी देशों से प्रत्यक्ष सम्बन्ध की स्थापना–सोवियत खेमे के देशों के बीच मौजूद व्यापारिक गठबन्धनों को समाप्त कर प्रत्येक देश को सीधे पश्चिमी देशों से जोड़ा गया।

शॉक थेरेपी के परिणाम–

(1) 'शॉक थेरेपी' से पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो गई। इस क्षेत्र की जनता को बर्बादी की मार झेलनी पड़ी। पूरा राज्य-नियन्त्रित औद्योगिक ढाँचा चरमरा गया। 90 प्रतिशत उद्योगों को निजी हाथों या कम्पनियों को बेचा गया। यह कदम सभी उद्योगों को मटियामेट करने वाला साबित हुआ। इसे इतिहास की सबसे बड़ी गराज सेल के नाम से जाना जाता है।

(2) रूसी मुद्रा रूबल के मूल्य में नाटकीय ढंग से गिरावट आयी। मुद्रास्फीति इतनी बढ़ गई कि लोगों की जमा पूँजी जाती रही।

(3) सामूहिक खेती प्रणाली समाप्त हो गई और लोगों को अब खाद्यान्न सुरक्षा मौजूद नहीं रही। पुराने व्यापारिक ढाँचे के स्थान पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था स्थापित नहीं हो पायी थी।

(4) समाज कल्याण की पुरानी व्यवस्था को नष्ट कर दिया गया। इससे अमीर-गरीब की खाई और बढ़ गयी।

(5) लोकतान्त्रिक संस्थाओं के निर्माण के कार्य को प्राथमिकता के साथ नहीं किया गया। फलत: संसद अपेक्षाकृत एक कमजोर संस्था रह गयी। न्यायिक संस्कृति और न्यायपालिका की स्वतन्त्रता स्थापित नहीं हो पायी।

(6) इन अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन का आधार बना—खनिज तेल, प्राकृतिक गैस और धातु जैसे प्राकृतिक संसाधनों का निर्यात।

संघर्ष और तनाव–

(1) अनेक गणराज्यों में गृहयुद्ध हुए और बगावत हुई।

(2) इन देशों में बाहरी ताकतों की दखल भी बढ़ी।

(3) अनेक में हिंसक अलगाववादी आन्दोलन चले।

(4) मध्य एशियाई गणराज्य पेट्रोलियम के विशाल तेल भण्डारों के कारण बाहरी ताकतों और तेल कम्पनियों की आपसी प्रतिस्पर्द्धा का अखाड़ा भी बन गये। अमेरिका इस क्षेत्र में सैनिक ठिकाना बनाना चाहता था और रूस इन राज्यों को अपना निकटवर्ती 'विदेश' मानता है और उसका मानना है कि इन्हें रूस के प्रभाव में रहना चाहिए। चीनियों ने भी सीमावर्ती क्षेत्र में आकर व्यापार शुरू कर दिया।

पूर्व-साम्यवादी देश और भारत–भारत के सम्बन्ध रूस के साथ गहरे हैं। भारत-रूस सम्बन्धों का इतिहास आपसी विश्वास और साझे हितों का इतिहास है। ये सम्बन्ध इन देशों की जनता की अपेक्षाओं से मेल खाते हैं। रूस और भारत दोनों का सपना बहुध्रुवीय विश्व का है।

भारत को रूस के साथ अपने सम्बन्धों के कारण अनेक मसलों में फायदे हुए हैं, जैसे—कश्मीर समस्या, ऊर्जा आपूर्ति, अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान, चीन के साथ अपने सम्बन्धों में सन्तुलन लाना आदि। रूस को भारत से लाभ यह है कि भारत उसके हथियारों का एक बड़ा खरीददार देश है। रूस ने तेल के संकट की घड़ी में भारत की हमेशा मदद की। रूस भारत की परमाणविक योजना के लिए भी महत्त्वपूर्ण है। रूस ने भारत के अंतरिक्ष उद्योग में भी जरूरत के वक्त क्रायोजेनिक रॉकेट देकर मदद की है।

पाठगत प्रश्न

पृष्ठ 8

प्रश्न 1. पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या 8 पर दिये गये मानचित्र में मध्य एशियाई देशों को चिह्नित करें।

उत्तर—मध्य एशियाई देश ये हैं—(1) उज्बेकिस्तान (2) ताज़िकिस्तान (3) कजाकिस्तान (4) किर्गिजिस्तान (5) तुर्कमेनिस्तान।

प्रश्न 2. मैंने किसी को कहते हुए सुना है कि, ''सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है।'' क्या यह संभव है?

उत्तर—यह सही है कि सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है। यद्यपि सोवियत संघ समाजवादी विचारधारा का प्रबल समर्थक तथा उसका प्रतीक था, लेकिन वह समाजवाद के एक रूप का प्रतीक था। समाजवाद के अनेक रूप हैं और समाजवादी विचारधारा के उन रूपों को अभी भी विश्व के अनेक देशों ने अपना रखा है। दूसरे, समाजवाद एक विचारधारा है जिसमें देश, काल और परिस्थितियों के अनुसार विकास होता रहा है और अब भी हो रहा है। इसलिए सोवियत संघ का अन्त समाजवाद का अन्त नहीं है।

पृष्ठ 12

प्रश्न 1. सोवियत और अमरीकी दोनों खेमों के शीत युद्ध के दौर के पाँच-पाँच देशों के नाम लिखिए।

उत्तर—शीत युद्ध के दौर के सोवियत और अमरीकी खेमों के 5-5 देशों के नाम निम्नलिखित हैं—

(1) अमरीकी खेमे के देश—(1) संयुक्त राज्य अमेरिका (2) इंग्लैंड (3) फ्रांस (4) पश्चिमी जर्मनी (5) इटली।

(2) सोवियत खेमे के देश—(1) सोवियत संघ (2) पूर्वी जर्मनी (3) पोलैंड (4) रोमानिया (5) हंगरी।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

प्रश्न 1. सोवियत अर्थव्यवस्था की प्रकृति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है?

(क) सोवियत अर्थव्यवस्था में समाजवाद प्रभावी विचारधारा थी।
(ख) उत्पादन के साधनों पर राज्य का स्वामित्व/नियन्त्रण होना।
(ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।
(घ) अर्थव्यवस्था के हर पहलू का नियोजन और नियन्त्रण राज्य करता था।

उत्तर—(ग) जनता को आर्थिक आजादी थी।

प्रश्न 2. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार सजाएँ—

(क) अफगान-संकट (ख) बर्लिन-दीवार का गिरना
(ग) सोवियत संघ का विघटन (घ) रूसी क्रान्ति।

उत्तर—(क) रूसी क्रान्ति (1917) (ख) अफगान संकट (1979) (ग) बर्लिन-दीवार का गिरना (1989) (घ) सोवियत संघ का विघटन (1991)।

प्रश्न 3. निम्नलिखित में कौनसा सोवियत संघ के विघटन का परिणाम नहीं है?

(क) संयुक्त राज्य अमरीका और सोवियत संघ के बीच विचारधारात्मक लड़ाई का अन्त
(ख) स्वतन्त्र राज्यों के राष्ट्रकुल (सी आई एस) का जन्म
(ग) विश्व-व्यवस्था के शक्ति-सन्तुलन में बदलाव
(घ) मध्य-पूर्व में संकट।

उत्तर—(घ) मध्य-पूर्व में संकट।

प्रश्न 4. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ—

(1) मिख़ाइल गोर्बाचेव (क) सोवियत संघ का उत्तराधिकारी